देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 270 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
भारतीय कुश्ती
महासंघ विवाद

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 4 फरवरी 2023

मौसम अधिकतम 20.0° न्यूनतम 10.0°

60611.54 2 ड्रैगन की गर्दन पर जा बैठा अमेरिका 7 अब पुलिस की वर्दी में दिखेगी दबंगई

हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संसद से सड़क तक हंगामा

अदाणी मसले पर ये 16 पार्टियां का सरकार के खिलाफ हल्लाबोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। संसद में बजट सत्र का शुक्रवार को चौथा दिन था। शुक्रवार को एक बार फिर से अदाणी मामले पर दोनों सदनों में विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया जिसके बाद दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। अब कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे फिर से शुरू होगी। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने आज सुबह कहा कि संसद लोकतंत्र का सार है। हमें नियमों के अनुसार काम करने की आवश्यकता है।

इसके अलावा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक बुलाई थी। इस बैठक में सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई। शुक्रवार की सुबह कम से कम 16 विपक्षी दलों ने संसद में अपनी रणनीति का समन्वय करने के लिए बैठक की और अदाणी स्टॉक रूट के मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए सरकार पर हमले तेज करने का फैसला किया।

बैठक के एक दिन बाद उन्होंने एकजुट होकर इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ आरोप का नेतृत्व किया और गुरुवार को संसद के दोनों सदनों को ठप कर दिया। विभिन्न विपक्षी दलों ने संसद में इस पर चर्चा की मांग करते हुए अडानी मुद्दे की संयुक्त संसदीय समिति जांच या सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी वाली समिति की जांच की मांग की है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की चर्चित नेता महुआ मोइत्रा ने अदाणी परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अदाणी परिवार और सेबी अधिकारियों के बीच सांठगांठ हैं इसलिए मनमाने तरीके से सबकुछ किया गया। उन्होंने कहा कि सेबी की समिति में अदाणी के रिश्तेदार भी काम करते हैं जिससे इस तरह की हेराफेरी को अंजाम दिया गया।

हालांकि, देश के केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने दावा किया है कि अदाणी ग्रुप पर आए संकट से देश के हरित ऊर्जा उत्पादन या निर्धारित लक्ष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सरकार के पास दुनिया की एक दर्जन से ज्यादा बड़ी हरित ऊर्जा क्षेत्र में काम कर रहीं कंपनियां उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से भविष्य के हरित ऊर्जा लक्ष्य हासिल करने का विकल्प मौजूद है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि हरित ऊर्जा क्षेत्र से ऊर्जा उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ पाएगा।

कंपनी प्रमुखों पर भरोसा

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि किसी एक घटना से किसी बात का अंदाजा लगाना गलत होगा। वित्तमंत्री ने कहा कि एसबीआई और एलआईसी पूरी तरह से सुरक्षित हैं। इधर-उधर की बातों के बजाए वह इन कंपनियों के प्रमुखों की बातों पर यकीन करेंगी। एसबीआई और एलआईसी दोनों ने विस्तृत स्टेटमेंट जारी किया है। दोनों ही फिलहाल फायदे में हैं और जो भी खरीद हुई है तय दायरे के भीतर ही हुई है। सीतारमण ने यह भी कहा कि भले ही वैल्यूएशन में गिरावट आ रही है, लेकिन दोनों की कंपनियां फिलहाल फायदे की हालत में हैं।

10 दिन में आधी से भी कम हो गई अदाणी की दौलत

गौमत अदाणी 10 दिन पहले तक दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर थे। 24 जनवरी को अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई। 25 जनवरी से उनकी संपत्ति में गिरावट होने लगी। आलम ये है कि पिछले बीते दस दिनों में गौतम अदाणी की संपत्ति आधी से भी कम हो गई है। पिछले 24 घंटे के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस बीच 12.5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अदाणी की नेटवर्थ में दस दिन में करीब 65 अरब डॉलर की कमी आ चुकी है। वह रईसों की लिस्ट में फिसलकर टॉप 15 से भी बाहर हो गए हैं।

अडानी मुद्दे ने बिखरे विपक्ष को एकजुट किया

कह सकते हैं कि विपक्ष के जिस बिखराव को राहुल की भारत जोड़ो यात्रा खत्म नहीं कर सकी। वह काम अडानी मुद्दे ने कर दिया है। कांग्रेस, आप से लेकर शिवसेना, टीआरएस और वाम दल सबके सुर मिल गए हैं। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने पूरी ताकत झोंक दी है। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि अडानी ग्रुप ने मनी लॉन्ड्रिंग और अकाउंटिंग फ्रॉड किया है। उसने ग्रुप की शानदार बढ़त को कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। इसके उलट ग्रुप ने इन सभी आरोपों को बेबुनियाद और झूठा बताया है।

संक्षिप्त समाचार

असम सरकार का बाल विवाह के खिलाफ बड़ा अभियान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम सरकार बाल विवाह पर शुक्रवार से व्यापक कार्रवाई शुरू करेगी, अपराधियों को गिरफ्तार करेगी और व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाएगी। पुलिस ने एक पखवाड़े से भी कम समय में बाल विवाह के 4,004 मामले दर्ज किए हैं। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत उन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे जिन्होंने 14–18 में लड़कियों की शादी की है। वर्ष आयु समूह।

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। महाराष्ट्र में होने वाले सकल हिंदू समाज मीटिंग का वीडियोग्राफी करने का निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस से यह भी कहा है कि वह किसी भी तरह के हेट स्पीच को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए।

भर्तियों की गड़बड़ियों में किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा

राज्य सरकार पूरे सिस्टम को सुधारने के लिए कृत्संकल्पः सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वाले किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। सरकार ने इस नासूर को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि परीक्षाओं में गड़बड़ी और बेटे-बेटियों के भविष्य को लेकर सरकार की मंशा और कार्य पहले दिन से ही स्पष्ट है। सरकार ने तब भी कहा था कि कहीं कोई भी गड़बड़ी किसी परीक्षा में पाई जाती है तो उस पर तत्काल एक्शन लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भर्तियों में गड़बड़ी का जो पुराना कैंसर लगा है और नासूर बना है, जब तक उसकी पूरी सफाई नहीं हो जाती है, तब सरकार लगातार कारवाई करती रहेगी।। लोक सेवा आयोग की जेई और एई के लिए जो भर्ती परीक्षाएं हुई थी, उसमें भी कुछ शिकायतें मिली थी। सरकार ने इसकी प्रारंभिक जांच कराई तो कई गड़बड़ियों की पुष्टि हुई है।

धामी ने कहा कि राज्य सरकार पूरे सिस्टम को सुधारने के लिए कृत्संकल्प है। यूकेपीएससी की एई और जेई परीक्षाओं में शिकायतें मिलने पर तुरंत जांच के आदेश दिए गए थे और मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। इनमें जो भी संलिप्त पाया जाएगा, उस पर सख्त कारवाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि पहले भी विभिन्न भर्तियों में गड़बडी करने वालों को जेल भेजा गया है। ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है कि पूरे पारदर्शी और साफ सुथरे तरीके से भर्ती परीक्षाएं हो। भर्ती कैलेंडर जारी कर उसके अनुरूप परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। सरकार प्रदेश के युवाओं के साथ कोई अन्याय नहीं होने देगी।

सख्त नकल विरोधी कानून इसी कैबिनेट में

राज्य सरकार भर्ती परीक्षाओं में नकल पर लगाम लगाने के लिए इसी कैबिनेट में नकल विरोधी अध्यादेश लाने जा रही है। 10 फरवरी को यह बैठक होगी। अध्यादेश का ड्राफ्ट तैयार करने के बाद कार्मिक और न्याय से भी इसका परामर्श ले लिया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने फिर दोहरया कि यह देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून होगा।

शीर्ष अदालत को जल्द मिल सकते हैं 5 नए जज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को शीर्ष अदालत की दो जजों की बेंच को बताया कि सुप्रीम कोर्ट को जल्द ही 5 नए जज मिल सकते हैं। अटॉर्नी जनरल (एजी) आर. वेंकटरमणी ने कहा कि नई नियुक्तियों को बहुत जल्द मंजूरी दे दी जाएगी। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अभय एस. ओका की बेंच ने केंद्र के प्रतिनिधि अटॉर्नी जनरल से पूछा, शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए दिसंबर में 5 नाम भेजे गए थे और दो नाम हाल ही में भेजे गए और अब यह फरवरी का महीना आ गया है, क्या यह रिकॉर्ड किया जाना चाहिए कि अधिसूचना जारी की जाएगी? अटॉर्नी जनरल ने जवाब दिया कि नई नियुक्तियां बहुत जल्द हो सकती हैं।

13 दिसंबर, 2022 को कलीजियम ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए 5 नामों की सिफारिश की थी। जिसमें जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस संजय करोल, जस्टिस पी.वी. संजय कुमार, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, और जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम शामिल था। उनकी नियुक्ति अभी तक सरकार द्वारा अधिसूचित नहीं की गई है।

मंजूरी

- कलीजियम की सिफारिश को मंजूरी जल्दः केंद्र

तबादले में देरी से भड़का सुप्रीम कोर्ट

सुको ने शुक्रवार को उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के तबादलों में देरी पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। कई जजों के तबादलों की सूची केंद्र के पास लंबित है। इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सुको ने चेतावनी दी कि तबादलों में देरी से प्रशासनिक कार्रवाई हो सकती है जो संभवतरू आपके लिए खुशगवार नहीं होगी। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि तबादला गंभीर मसला है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

कश्मीरी पंडितों को घाटी में जाने को मजबूर करना निर्दयता

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा खत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने कश्मीरी पंडितों का दर्द बयां किया है। भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कश्मीरी पंडितों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की बात बताई। इस प्रतिनिमंडल ने उनसे दुखद हालातों के बारे में बताया। मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए अपने खत में राहुल ने कहा कि आतंकियों की टारगेटेड किलिंग के शिकार कश्मीरी पंडितों को बिना सुरक्षा घाटी में जाने के लिए मजबूत करना निर्दयी कदम है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह चिट्ठी हिंदी में लिखी है। उन्होंने इसे माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर शेयर भी किया। खत शेयर करते हुए उन्होंने लिखा– प्रधानमंत्री जी, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कश्मीरी पंडितों के प्रतिनिधिमंडल ने मुझसे मिलकर अपने दुखद हालात बताए। आतंकियों की टारगेटेड किलिंग के शिकार कश्मीरी पंडितों को बिना सुरक्षा गारंटी घाटी में जाने के लिए विवश करना निर्दयी कदम है। आशा है, आप इस विषय में उचित कदम उठाएंगे।

न्यूज डायरी

पाकिस्तान समर्थक अमेरिकी सांसद इल्हान को बड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर को लेकर जहरीले बयान देने वाली अमेरिकी सांसद इल्हान उमर को बड़ा झटका लगा है। डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर को रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों की बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा ने मतदान के जरिए शक्तिशाली विदेशी मामलों की समिति से बाहर कर दिया है। इस कदम की वाइट हाउस ने निंदा की है। सदन ने 211 मतों के मुकाबले 218 मतों से विदेश मामलों की समिति से उन्हें बाहर कर दिया। इल्हान उमर इमरान खान कट्टर प्रशंसक हैं और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का दौरा किया था। भारत ने इल्हान उमर के पीओके की यात्रा का कड़ा विरोध किया था। प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैककार्थी ने मतदान के बाद पत्रकारों से कहा, 'जब विदेशी मामलों की बात आती है तो हमें लगता है कि उन्हें (इल्हान उमर को) वहां काम नहीं करना चाहिए।' मैक्कार्थी ने कहा, 'कांग्रेस के हर एक सदस्य की इस पर बात गौर करना जिम्मेदारी बनती है कि वह खुद को कैसे पेश करते हैं।'

अमेरिका के आसमान में दिखा चीन का जासूसी गुब्बारा, मचा हड़कंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को ट्रैक कर रहा है जिसे हाल के दिनों में कुछ संवेदनशील इलाकों में उड़ते देखा गया है। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि उन्हें पूरा यकीन है कि आसमान में उड़ रहा जासूसी गुब्बारा चीन का है। इसे हाल ही में पश्चिमी राज्य मोंटाना में देखा गया था। हालांकि सैन्य अधिकारियों ने इसे मार गिराने के पक्ष में नहीं हैं क्योंकि उन्हें मलबा गिरने के खतरे की चिंता सता रही है। चीन ने फिलहाल पूरे मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति पर बयान जारी किया है। बीबीसी की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि मोंटाना के बिलिंग्स शहर के ऊपर देखे जाने से पहले यह गुब्बारा अलास्का के अलेउतियन द्वीप समूह और कनाडा के आसमान में देखा गया था। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने बताया कि अगर वाइट हाउस की तरफ से इसे मार गिराने का आदेश जारी किया जाता है तो उस परिस्थिति के लिए सरकार ने एफ–22 जैसे लड़ाकू विमानों को तैयार कर लिया है।

क्या बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था भी पाकिस्तान की तरह हो रही बर्बाद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से 4.7 बिलियन डॉलर के ऋण की मंजूरी दे दी गई है। विस्तारित फंड सुविधा के तहत 3.3 बिलियन डॉलर और नई लचीलापन और स्थिरता सुविधा के तहत 1.4 बिलियन डॉलर दिए जाएंगे। आइएमएफ ने कहा है कि बांग्लादेश RSF तक पहुंचने वाला पहला एशियायी देश है। कोई भी देश आइएमएफ के पास तब जाता है, जब उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से खराब चल रही हो। ठीक उसी तरह जैसा इस समय पाकिस्तान और श्रीलंका का हाल है। जब बांग्लादेश ने आइएमएफ से कर्ज के लिए आवेदन किया, तो नागरिकों में चिंता थी। सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ी है? बांग्लादेश ने आइएमएफसे एक स्टेबलाइजेशन यानी स्थिरीकरण पैकेज मांगा था। लेकिन पाकिस्तान और श्रीलंका IMF से एक बेलआउट पैकेज मांग रहे हैं। बेलआउट पैकेज कोई भी देश तब मांगता है, जब वह दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाए।

चीन और हांगकांग के बीच क्रॉस–बॉर्डर यात्रा कोटा समाप्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। फेडरल रिजर्व ने बुधवार को अपनी प्रमुख ब्याज दरों में एक चौथाई अंक की बढ़ोतरी की। फेडरल रिजर्व द्वारा मार्च के बाद यह आठवीं बढ़ोतरी है। फेडरल रिजर्व के इस फैसले के बाद अब ब्याज दरें बढ़कर 4.50 से बढ़कर 4.75 अंक हो गई है। हालांकि फेड ने इस दौरान यह भी संकेत दिया कि मुद्रास्फीति कम होने के कारण भी इसके दर में आगे भी बढ़ोतरी हो सकती है। फेड ने इससे पहले भी इसमें बड़ी बढ़ोतरी की थी। हालांकि यह बढ़ोतरी पिछली वृद्धि की तुलना में कम है। इस वर्ष के अंत तक दरों में 0.75 की बढ़ोतरी का अनुमान जताया जा रहा है।

मुस्लिम देश में ही सुरक्षित नहीं अल्लाह का घर...

हमला

परमाणु बम से डराने वाले टीएलपी ने पाकिस्तान में तोड़ी अहमदिया मस्जिद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ अमानवीय बर्ताव की खबरें कोई नई बात नहीं हैं। हिंदू और सिख समुदाय पर हमले और उनके धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़, आए दिन इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। कट्टरपंथियों की प्रताड़ना झेलने वालों में अहमदिया, शिया और हजारा जैसे समुदाय भी शामिल हैं। ताजा मामला कराची से सामने आया है जहां शुक्रवार को कट्टरपंथियों की भीड़ ने एक अहमदिया मस्जिद पर हमला कर उसमें तोड़फोड़ को अंजाम दिया। ट्विटर पर शेयर एक वीडियो में हेलमेट पहने कुछ अज्ञात लोगों को मस्जिद की मीनारें तोड़ते हुए देखा जा सकता है।

सूत्रों के हवाले से खबरों में कहा जा रहा है कि मस्जिद पर हमले के वक्त पुलिसबल मौके पर मौजूद था। हमलावर पाकिस्तान की चरमपंथी इस्लामिक पार्टी तहरीक–ए–लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के सदस्य बताए जा रहे हैं। यह वही पार्टी है जिसके नेता मौलाना साद रिजवी को एक हालिया वीडियो में भड़काऊ बयान देते हुए देखा गया था। रिजवी ने कहा था कि हमें श्एक हाथ में कुरान और दूसरे में परमाणु बम लेकर दुनिया के सामने जाना चाहिए। पूरी कायनात हमारे कदमों पर झुक जाएगी।

मुस्लिम देश में सुरक्षित नहीं मस्जिदें यह एक महीने के भीतर इस तरह की दूसरी घटना है। हाल ही में ह्यूमन राइट्स कमीशन ऑफ पाकिस्तान ने पंजाब के वजीराबाद में अहमदिया मस्जिद पर हमले की कड़ी निंदा की थी। संगठन ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की मांग की थी। बीते सोमवार को पेशावर की एक मस्जिद में भीषण सुसाइड हमला हुआ था। इसमें 100 से अधिक लोग मारे गए थे और सैंकड़ों घायल हुए थे। खबरों की मानें तो हमलावर पुलिस की वर्दी में था।

क्या बला है टीएलपी?: पाकिस्तान की चरमपंथी पार्टी टीएलपी की स्थापना 1 अगस्त 2015 को मौलाना खादिम हुसैन रिजवी ने की थी। खादिम हुसैन भी अपने भाषणों में परमाणु बम की धमकी देते थे। वह पाकिस्तान को इस्लाम के दुश्मनों के खिलाफ परमाणु बम इस्तेमाल करने की सलाह देते थे। 2017 में टीएलपी ने एक औपचारिक राजनीतिक पार्टी का रूप ले लिया। टीएलपी के नेता साद रिजवी ने 2021 में पाकिस्तान में एक बड़े विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। वह पैगंबर मोहम्मद की विवादित तस्वीर बनाने के खिलाफ फ्रांस के राजदूत को पाकिस्तान से निष्कासित करने की मांग कर रहे थे।

शी जिनपिंग ने नहीं दी भीख तो खिसियाया कंगाल पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। कंगाल हो चुके पाकिस्तान को दोस्त चीन ने अब बिना शर्त पैसा देने से किनारा कर लिया है। चीन ने साफ कह दिया है कि पाकिस्थ्तान कर्ज हासिल करने के लिए आईएमएफ के प्रोग्राम को लागू करे। चीन के इस रुख के बाद अब पाकिस्तान सरकार ने अपने आका चीन को ही आंख दिखाना शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने हजारों की तादाद में सीपीईसी परियोजना में काम कर रहे चीनी नागरिकों से साफ कह दिया है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए खुद निजी सुरक्षा एजेंसियों को किराए पर लें और उसका पैसा भुगतान करें। चीनी नागरिकों पर बलूच विद्रोही अक्सर हमला करते रहते हैं।

पाकिस्तान अभी गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है और देश के डिफॉल्ट होने का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच पंजाब प्रांत की सरकार के गृह मंत्रालय ने राज्य में रह रहे या निजी कंपनियों के साथ काम कर रहे चीनी नागरिकों को निर्देश दिया है कि वे। कटेगरी की सुरक्षा के लिए खुद ही निजी सुरक्षा एजेंसियों को हायर करें। यही नहीं इस निजी सुरक्षा एजेंसी का पूरा खर्च चीनी नागरिकों को ही देना होगा।

महाराजा रंजीत सिंह की पोती लंदन में होंगी सम्मानित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। सिख साम्राज्य के आखिरी शासक महाराजा दलीप सिंह की बेटी और महारानी विक्टोरिया की धर्मपुत्री सोफिया दलीप सिंह को लंदन में स्मृति स्वरूप ब्लू प्लैक से सम्मानित किया जाएगा। साल 1900 के दशक में ब्रिटेन में महिलाओं के मतदान के अधिकार के लिए लड़ने वालों में राजकुमारी सोफिया शामिल थीं। इंग्लिश हेरिटेज चौरिटी की ओर से संचालित ब्लू प्लैक स्कीम ऐतिहासिक व्यक्तियों से जुड़ी विशेष इमारतों के ऐतिहासिक महत्व का सम्मान करती है। इसके 2023 के दस्ते में ब्रिटिश भारतीय राजकुमारी का 19वीं सदी का घर शामिल है। सोफिया दलीप सिंह का जन्म पंजाबी शाही परिवार में 1876 में हुआ था। वह सिख साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रंजीत सिंह की पोती थीं।

चीनी ड्रैगन की गर्दन पर जा बैठा अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका हर तरफ से ड्रैगन को घेरने में लगा है। अमेरिका ने फिलीपींस में चार अतिरिक्त सैन्य ठिकानों पर कब्जा जमाया है। यह अमेरिका के लिए एक बड़ी कामयाबी है और इससे चीन पर नजर रखने में आसानी होगी। फिलीपींस में मिले बेस ने अमेरिका की उत्तर में दक्षिण कोरिया और जापान से लेकर दक्षिण में ऑस्ट्रेलिया तक फैले गठजोड़ के बीच मौजूद खाई को पाट दिया है।

फिलीपींस से मिला बेस ताइवान और दक्षिण चीन सागर की सीमा में हैं। ये चीन के साथ दो सबसे बड़ा संभावित फ्लैशप्वाइंट है।

फिलीपींस से हर हरकत पर होगी नजर

वॉशिंगटन में सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में दक्षिण पूर्व एशिया प्रोग्राम के निदेशक ग्रेगरी बी पोलिंग का कहना है कि, दक्षिण चीन सागर में कोई भी विवाद होगा, उसमें फिलीपींस की जरूरत पड़ेगी। संवर्धित रक्षा सहयोग समझौते के तहत अमेरिका के पास पहले से ही पांच साइटों तक सीमित पहुंच थी। अब नई डील अतिरिक्त विस्तार देगी। अमेरिका की ओर से एक बयान में कहा गया, इससे फिलीपींस में मानवीय और जलवायु संबंधी आपदाओं के लिए ज्यादा तेजी से समर्थन दिया जा सकेगा। इसके अलावा अन्य साझा चुनौतियों (चीन) का जवाब दिया जा सकेगा।

चीन ने जताई आपत्तिः अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन गुरुवार को मनीला में फिलीपीन के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस जूनियर से मुलाकात की। उन्होंने यह नहीं बताया कि ठिकाने कहां है, लेकिन माना जा रहा है कि तीन बेस फिलीपींस के उत्तरी छोर पर मौजूद लूजोन द्वीप पर हो सकते हैं। यह द्वीप ताइवान के करीब फिलीपींस की जमीन का एकमात्र बड़ा हिस्सा है। चीन ने इस समझौते की आलोचना की है। चीन ने कहा कि अमेरिका का यह कदम क्षेत्रीय तनाव को बढ़ाएगा और इससे शांति और स्थिरता में कमजोरी आएगी।

अमेरिका के बाद कनाडा में भी दिखा स्पाई बैलून

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हांगकांग। कोरोना की वजह से चीन और हांगकांग का बॉर्डर बंद था और हांगकांग और चीन के बीच सभी प्रकार के यात्रा को बाधित किया गया था। अधिकारियों ने शुक्रवार को घोषणा की कि हांगकांग और चीन के बीच यात्रा के लिए अब कोविड–19 पीसीआर जांच की जरूरत नहीं होगी और न ही इसे दैनिक सीमा तक सीमित रखा जाएगा। यात्रा पर रोक होने के कारण पूरी दुनिया की ट्रैवल इंडस्ट्री को नुकसान हुआ है। एशिया में सबसे विकसित माने जाने वाला हांगकांग भी इससे अछूता नहीं है। अब कोरोना का असर कम होने के बाद हांगकांग ने पूरी दुनिया से टूरिस्टों को आकर्षित करने लिए एक नई योजना शुरू करने का फैसला किया है। महीनों के राजनीतिक संघर्ष के बाद 2019 से हांगकांग के पर्यटन उद्योग को नुकसान उठाना पड़ा है, जो कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पों में भी बदला था । साथ ही महामारी के दौरान लागू कठोर प्रवेश प्रतिबंध का भी सामना किया था।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

अलकनंदा नदी में राफ्टिंग शुरू करने के लिए सर्वेक्षण कराने के निर्देश

बैठक

जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक तीनों विकासखंडों के ब्लॉक प्रमुखों ने किया प्रतिभाग

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिले में पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला पर्यटन विकास समिति (डीटीडीसी) की बैठक आहूत हुई। बैठक में तीनों विकासखंडों के ब्लॉक प्रमुखों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। आयोजित बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन के संबंध में की गई कार्यवाही से जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल द्वारा समिति को अवगत कराया गया।

शुक्रवार को जिला कार्यालय एनआईसी कक्ष में आयोजित बैठक में समिति द्वारा सोनप्रयाग रैन बसेरा के सफल संचालन हेतु वुड स्टोन के माध्यम से संचालन के लिए 25 हजार रुपए प्रतिमाह की दर से किराया निर्धारित की संस्तुति की गई। पर्यटन विभाग के अधीन रुद्रप्रयाग, तिलवाड़ा एवं गुप्तकाशी में पार्किंग के संचालन हेतु निविदा आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए। रुद्रप्रयाग जवाड़ी बायपास पर निर्माणाधीन पार्क का टिकट व्यवस्था के आधार पर संचालन की संस्तुति की गई। चिरबटिया में पर्यटन केंद्र के संचालन के संबंध में ब्लॉक प्रमुख एवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर जिसमें स्वयं सहायता समूह एवं स्थानीय संस्थाओं के साथ पर्यटन केंद्र संचालन के संबंध में आवश्यक चर्चा की जाए। जनपद में विभिन्न स्थानों में स्थापित वीडियो वॉल का संचालन इथिक के माध्यम से प्रचारित–प्रसारित करने की संस्तुति की गई। इंटरप्रिटेशन केंद्र रुद्रप्रयाग एवं सोनप्रयाग का संचालन उद्योग विभाग के माध्यम से शुरू करने की संस्तुति दी गई।

जनपद में साहसिक पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अलकनंदा नदी में राफ्टिंग शुरू करने के लिए जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन अधिकारी को सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए गए ताकि जनपद में जल्द से जल्द राफ्टिंग का कार्य शुरू किया जा सके तथा जनपद में आने वाले पर्यटक राफ्टिंग का आनंद ले सकें। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारी को यह भी निर्देश दिए हैं कि जनपद में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा जो भी योजनाएं संचालित की जा रही हैं उन योजनाओं को शीर्ष प्राथमिकता से सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए ताकि जनपद वासियों सहित आने वाले पर्यटकों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध हो सके तथा जनपद को पर्यटन की दृष्टि से एक नई पहचान उपलब्ध हो सके।

बैठक में ब्लॉक प्रमुख जखोली प्रदीप प्रसाद थपलियाल, अगस्त्यमुनि श्रीमती विजया देवी, ऊखीमठ श्वेता पांडेय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार धिल्डियाल, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुशील नौटियाल, कोषाधिकारी मुकेश चंद्र चौधरी सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

तीनों विकास खंडों में कार्यशाला–प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जाएंगे आयोजित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड सूचना आयोग के निर्देशों के अनुपालन में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत जनपद में विकासखंड वार संबंधित उप जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद स्तरीय लोक सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों हेतु तीनों विकास खंडों में अलग–अलग तिथियों में एक दिवसीय कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी ने आयोजित होने वाली कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अवगत कराया कि 13 फरवरी, 2023 को विकास खंड ऊखीमठ में प्रातः 11 बजे से कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह विकास खंड जखोली में 21 फरवरी तथा विकास खंड अगस्त्यमुनि में 28 फरवरी को प्रातः 11 बजे से जिला सेवायोजन अधिकारी कपिल पांडे द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मंगलवार को ग्राम फेगू में तहसील दिवस का आयोजन

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मंगलवार को ग्राम फेगू में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनता द्वारा दर्ज की जाने वाली शिकायतों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए तहसीलदार बसुकेदार राम किशोर ध्यानी ने अवगत कराया कि फरवरी माह के पहले मंगलवार को अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बसुकेदार के अंतर्गत ग्राम फेगू में दुर्गा माता परिसर में तहसील दिवस का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 07 फरवरी को प्रातः 11 बजे से आयोजित होने वाले तहसील दिवस में सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे ताकि दर्ज की जाने वाली शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया जाना संभव हो सके।

वाहन के दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच एक माह अंतर्गत उपलब्ध कराने के निर्देश

संवाददाता रुद्रप्रयाग। दिनांक 25 जनवरी, 2023 की रात्रि को घोलतीर से रतूड़ा की ओर आ रहे वाहन संख्या–यूके–13टीबी–2547 दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने उक्त वाहन के दुर्घटना की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग को नामित करते हुए जांच आख्या एक माह अंतर्गत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग अपर्णा ढौंडियाल ने अवगत कराया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में उनके द्वारा उक्त दुर्घटनाग्रस्त वाहन की मजिस्ट्रीयल जांच की जा रही है।

अब हर किसान को अपनी भूमि का पता स्वयं हो जायेगा

संवाददाता सितारगंज। राजस्व विभाग अब प्रत्येक किसान और भूमिस्वामी का अलग अंश का निर्धारण करेगा। इससे किसान को अपनी भूमि का पता चल सकेगा। अभी तक एक खतौनी में खातेदारों, सहखातेदारों का ब्यौरा होता है। केंद्र सरकार के कृषि मंत्रालय के निर्देश पर प्रदेश भर की तहसीलों में प्रत्येक भूमि स्वामी का अलग–अलग व्यौरा बनेगा। जिलाधिकारी द्वारा भी उक्त योजना के सफल सम्पादन हेतु तिथिवार कार्यक्रम घोषित किया गया है,प्रदेश में 16 से 28 फरवरी तक राजस्व टीम डाटा तैयार करेगी।

तहसीलदार जगमोहन त्रिपाठी ने बताया कि राजस्व परिषद, जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में डिजिटल कृषि योजना के तहत एग्री–स्टेट कार्यक्रम में फसल बीमा, पीएम किसान व फार्मर डायरेक्टिरी यानि रजिस्ट्री तैयार किए जाने की कार्यवाही चल रही है। इसमें भू अभिलेखो में खातेदारों, सहखातेदारों, काश्तकारों के वर्तमान अभिलेखों के अनुसार भूमि के खसरे के क्षेत्रफल के अनुसार प्रत्येक भूमस्वामी भूमि का पृथक–पृथक अंश निर्धारित किया जायेगा। इससे भूमि के प्रयोग का पृथक से भू–अभिलेखो के अनुसार डाटाबेस तैयार किया जायेगा। खतौनी में खातेदार, सहखातेदारों के खसरों के क्षेत्रफल में हिस्से के क्षेत्रफल का निर्धारण किया जायेगा। भूमि खाते में प्रत्येक खातेदार एवं सहखातेदारों का नया अंश निर्धारित खतौनी का डाटाबेस तैयार किया जायेगा।

अवैध नशे की प्रवृति पर लगे रोक

संवाददाता बागेश्वर। अपर जिलाधिकारी चंद्र सिंह इमलाल ने नशे पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। जागरूकता के साथ ही छोपमारी भी होगी।विद्यालयों, डिग्री कालेजों पर बैठकें होंगी। लोगों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाएगा। कलक्ट्रेट पर आयोजित बैठक में अपर जिलाधिकारी ने नशा करने वालों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। उनकी और अभिभावकों की काउंसलिंग भी होगी। विद्यालयों में प्रार्थना सभा दौरान नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने ड्रग्स निरीक्षक को मेडिकल स्टोरों में निरंतर छापेमारी करने के निर्देश दिए दुकानों पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी लगाने और प्रतिबंधित दवाओं पर रोक लगाने को कहा। वन विभाग को वन क्षेत्र में भांग की खेती नहीं होने देगा।

डॉक्टर नहीं होने से दूसरे अस्पतालों का रुख कर रहे रोगी

संवाददाता बागेश्वर। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सरकार संवेदनशील है।सरकार पहाड़ों में विशेषज्ञ चिकित्सको की नियुक्ति करने में लगी है, अस्पतालों को अत्याधुनिक मशीनों से जोड़ा जा रहा है। पहाड़ के लोगों को जिलामुख्यालय पर बेहतर स्वास्थ्य मिले इसके प्रयास किए जा रहे है।लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डाक्टरों की कमी है। जिससे स्वास्थ्य सेवाएं पटरी से उतरने लगी हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों को सुगम दुर्गम के आधार पर पहाड़ों में सेवा देने के लिए सरकार चिकित्सकों से अनुबंध करवाती है, ऐसे में एमबीबीएस की पढ़ाई में सस्ते दरों में लोन सुविधा

सीएचसी में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की मांग

उपलब्ध कराने पर चिकित्सकों को भी निश्चित समय मे सरकारी अस्पतालों में सेवा देने के लिए करार किया जाता है,उसके बाद भी स्थायी तौर पर विशेषज्ञ चिकित्सक पहाड़ में सेवा देने से परहेज करते है, वही सरकार द्वारा निश्चित समय के लिए अनुबंधित कंपनी से नियत वेतन पर करार कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की जा रही है।

जिले में विशेषज्ञ डाक्टरों की कमी लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ रही है। जिले के तीनों सीएचसी में से एक में भी स्वीकृत पदों के सापेक्ष विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती नहीं है। कपकोट और कांडा सीएचसी में विशेषज्ञ चिकित्सकों के छह–छह पद स्वीकृत हैं, लेकिन एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक इन अस्पतालों में नहीं है। बैजनाथ सीएचसी में छह के स्थान पर एक विशेषज्ञ चिकित्सक तैनात है। डाक्टरों की कम के कारण लोगों को जिला मुख्यालय के अलावा हल्द्वानी, बरेली, दिल्ली, रानीखेत आदि स्थानों का रुख करना पड़ रहा है। प्राइवेट अस्पतालों में उनका अधिक धन बर्बाद हो रहा है।

कपकोट के पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, पूर्व जिपंअ हरीश ऐठानी, पूर्व दर्जा मंत्री राजेंद्र टंगड़िया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग की है।

स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता बागेश्वर। बस स्टेशन पर नाली की ऊपर की जाली क्षतिग्रस्त हो गई है। आए दिन लोगों के पांव जाली में फंस रहे हैं। वह चोटिल भी हो रहे हैं। गंदगी से बजबजाई नाली में उनका पैर भी खराब हो रहे हैं। जिससे स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश है। उन्होंने नालियों की जाली की मरम्मत कराने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। केएमओयू स्टेशन को जाने वाले रास्ते की नाली के ऊपर की जाली क्षतिग्रस्त है। जिसमें यात्री, चालक और केएमओयू स्टेशन के कर्मचारी कई बार घायल हो गए हैं। केएमओयू इंचार्ज धरणीधर जोशी ने कहा कि पालिका को कई बार शिकायत कर दी है। लेकिन जाली को दुरुस्त नहीं किया जा रहा है। आए दिन यात्री चोटिल हो रहे हैं। जबकि पालिका ने उत्तरायणी मेले के दौरान लाखों रुपये नगर के सुंदरीकरण पर व्यय किए। स्टेशन की तरफ ध्यान नहीं दिया। गंदी नाली में कई बार लोग गिर भी रहे हैं।

भारतीय कुश्ती महासंघ विवाद

लेकिन यह कैसे और क्यों हुआ कि इन तमाम खिलाड़ियों को फेडरेशन के अंदर या खेल मंत्रालय के बनाए ढांचे में कहीं भी अपनी बात पर सुनवाई का भरोसा नहीं हुआ और वे अपनी मांगों के साथ जंतर-मंतर पर धरना देने को मजबूर हो गए?

अमन ठाकुर।।

अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में मेडल जीत कर देश का नाम ऊंचा करने वाले पहलवान जिस तरह से राजधानी के जंतर-मंतर में धरने पर बैठे हैं, वह हमारे देश में खेल प्रबंधन पर बेहद कड़वी टिप्पणी है। वर्ल्ड चौंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में मेडल जीत चुकी पहलवान विनेश फोगाट और उनके साथ खड़े साथी पहलवानों का यह आरोप बहुत गंभीर है कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष समेत कई कोच महिला खिलाड़ियों का यौन शोषण करते हैं। ध्यान रहे, भारतीय खेल जगत में ऐसे आरोप पहली बार नहीं लगाए जा रहे। बास्केटबॉल, टेनिस, हॉकी, एथलेटिक्स में करियर बनाने की कोशिश कर रही कई महिला खिलाड़ियों ने समय-समय पर ऐसी शिकायतें की हैं। ऐसे में कुश्ती संघ के ताजा मामले को हलके में नहीं लिया जा सकता। वैसे, WFI के अध्यक्ष ने इन आरोपों को गलत बताया है। सच यह भी है कि मामले की जांच होने तक किसी को भी दोषी नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन यह कैसे और क्यों हुआ कि इन तमाम खिलाड़ियों को फेडरेशन के अंदर या खेल मंत्रालय के बनाए ढांचे में कहीं भी अपनी बात पर सुनवाई का भरोसा नहीं हुआ और वे अपनी मांगों के साथ जंतर-मंतर पर धरना देने को मजबूर हो गए? खेल मंत्रालय से इन खिलाड़ियों की बातचीत का पहला दौर बेनतीजा रहा है। ये खिलाड़ी फेडरेशन को पूरी तरह भंग करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक सरकार की तरफ से इसे लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है।

जहां तक इन विक्टिम को आगे करके पुलिस में मामला दर्ज कराने और कानूनी प्रक्रिया से मुजरिम को सजा दिलाने की बात है तो ये खिलाड़ी कह रहे हैं कि जरूरत पड़ी तो यह रास्ता भी अख्तियार किया जाएगा। हालांकि, वह रास्ता काफी लंबा और पेचीदा है। इस दौरान कई खिलाड़ियों का करियर भी खत्म हो जाने का खतरा है। लेकिन आरोपों के दबाव में कुछ लोगों को पद से हटा देने या उनसे इस्तीफा दिलवा देने से यह साफ नहीं होगा कि आरोपों में सचमुच सचाई थी या नहीं। उस स्थिति में दोनों पक्ष खुद के सही होने का दावा करते रहेंगे। चूंकि देश और दुनिया के तमाम लोगों की नजर इस मामले पर लगी है, इसलिए थोड़ा वक्त भले लगे, लेकिन दूध का दूध और पानी का पानी होना ही चाहिए। इसके साथ ही यह देखना भी जरूरी है कि समय-समय पर खेल जगत से ऐसे आरोप क्यों लगते रहते हैं। ऐसा न हो और देश की बेटियां सुरक्षित महसूस करते हुए खेल में करियर बनाएं यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न फेडरेशनों के अंदर विभिन्न स्तरों पर शिकायत निवारण का एक स्थायी और कारगर तंत्र बनाने पर भी गंभीरता से विचार होना चाहिए।

रंभा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। रम्भा अपने रूप और सौन्दर्य के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध थी। यही कारण था कि हर कोई उसे हासिल करना चाहता था। रामायण काल में यक्षराज कुबेर के पुत्र नलकुबेर की पत्नी के रूप में इसका उल्लेख मिलता है। रावण ने रम्भा के साथ बलात्कार करने का प्रयास किया था जिसके चलते रम्भा ने उसे शाप दिया था। कहते हैं कि रम्भा का प्रकट्य समुद्र मंथन से हुआ था। इसीलिए उसे लक्ष्मीस्वरूपा भी कहा जाता है। लेकिन एक अन्य मान्यता अनुसार रम्भा के पिता का नाम कश्यप और माता का नाम प्रधा था। एक बार विश्वामित्र की घोर तपस्या से विचलित होकर इंद्र ने रम्भा को बुलवाकर विश्वामित्र का तप भंग करने के लिए भेजा लेकिन ऋषि इन्द्र का षड्यंत्र समझ गए और उन्होंने रम्भा को एक हजार वर्षों तक शिला बनकर रहने का शाप दे डाला।

संपादकीय

बदलता ग्लोबल लैंडस्केप

यूक्रेन में चल रहा युद्ध जल्द समाप्त हो या न हो, इतना जरूर है कि यह ग्लोबल लैंडस्केप को कई तरह से बदल चुका है। वैश्विक ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को इसने तेज कर दिया है। पश्चिम और रूस के बीच चलने वाली पांरपरिक प्रतिद्वंद्विता अब अमेरिका-चीन विवाद में भी झलक रही है क्योंकि चीन और रूस की धुरी इस बीच काफी मजबूत हो गई है। यूरोप महाशक्तियों की राजनीति के तर्क को औपचारिक तौर पर स्वीकार कर चुका है और अब भू-राजनीति के तर्क को भी स्वीकार करने को तैयार है। अब जब यूरोप अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाते हुए अपनी सैन्य क्षमता में इजाफा कर रहा है, उसका चीन के साथ अपने संबंधों के समीकरण पर दोबारा विचार करना स्वाभाविक है। भले ही पूतिन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद खड़ी की गई यूरोपीय संरचना की नींव को हिला दिया हो, अब यह महसूस किया जा रहा है कि दीर्घकालिक खतरा तो ज्यादा हिंद प्रशांत क्षेत्र से ही है, जहां शी चिनफिंग घात लगाए मौके का इंतजार कर रहे हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन यूक्रेन के इर्दगिर्द अपनी सेना का जमावड़ा बढ़ाते जा रहे थे। माहौल में थोड़ी घबराहट जरूर थी, लेकिन शायद ही कोई यह मान रहा था कि युद्ध शुरू हो जाएगा।

निर्णायक मोड़

हर्ष वी पंत।।

साल 2022 शुरू होने से पहले ही यूक्रेन को लेकर बहस शुरू हो चुकी थी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन यूक्रेन के इर्दगिर्द अपनी सेना का जमावड़ा बढ़ाते जा रहे थे। माहौल में थोड़ी घबराहट जरूर थी, लेकिन शायद ही कोई यह मान रहा था कि युद्ध शुरू हो जाएगा। मगर युद्ध सचमुच शुरू हो गया, जिसने विश्व और यूरोप की भू-राजनीति को हमेशा के लिए बदल कर रख दिया। 24 फरवरी की उस काली तारीख के बाद से अब तक, विभिन्न अनुमानों के मुताबिक दोनों तरफ के एक-एक लाख से ज्यादा सैनिक हताहत हो चुके हैं और करीब 40,000 नागरिक भी मारे गए हैं। युद्ध के कारण 78 लाख से अधिक यूक्रेनी नागरिक कई यूरोपीय देशों में शरणार्थी बन चुके हैं।

हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गर्व से कहा कि यूक्रेन जिंदा है और कभी समर्पण नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिका को भरोसा दिलाया कि यूक्रेन को उससे जो मदद मिल रही है, वह भविष्य की सुरक्षा के लिए किया जा रहा निवेश है। जेलेंस्की ने यह भी दावा किया कि अगले साल इस लड़ाई में 'निर्णायक मोड़' आएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति अच्छी तरह जानते हैं कि अगले कुछ महीने बेहद नाजुक हैं और इसकी कई वजहें हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन के साथ अंत तक खड़े रहने का वादा जरूर किया है, 2 अरब डॉलर का राहत पैकेज भी घोषित किया है, इसके अलावा 45 अरब डॉलर की सहायता का प्रस्ताव पाइपलाइन में भी है, लेकिन इस युद्ध पर बढ़ते अमेरिकी खर्च को लेकर रिपब्लिकंस के एक हिस्से में बेचैनी बढ़ती जा रही है। हाल में हुए सर्वेक्षणों में महज 50 फीसदी रिपब्लिकन वोटरों ने यूक्रेन को दी जा रही सहायता का समर्थन किया। पिछले मार्च में हुए सर्वेक्षण में समर्थकों का अनुपात 80 फीसदी था। ऐसे भी अमेरिका में युद्ध से लोग तंग आ रहे हैं। करीब एक तिहाई अमेरिकी अब यूक्रेन को सहायता जारी रखने के पक्ष में नहीं हैं और करीब आधे ऐसे हैं जो चाहते हैं कि यूक्रेन जल्द से जल्द शांति कायम कर ले। रूस भी मानकर चल रहा है कि कड़ाके की ठंड न केवल यूक्रेन युद्ध के प्रति जनसमर्थन को कम करेगी बल्कि उसके साथ खड़े रहने के यूरोपीय देशों के संकल्प की भी परीक्षा लेगी।

रूस का आरोप है कि अमेरिका, यूक्रेन में एक छद्म युद्ध लड़ रहा है। हाल ही में अमेरिका ने यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल देने की बात कही है। उसने इसे यूक्रेन के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बर्बर रूसी हमले से बचाव का साधन बताया है, लेकिन पैट्रियट मिसाइल की यूक्रेन को डिलिवरी से रूस के इस आरोप को आधार मिलेगा कि अमेरिका, यूक्रेन में छद्म युद्ध लड़ रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा भी है कि 'शांति स्थापित करने में न तो अमेरिका की कोई दिलचस्पी है और न ही यूक्रेन की। वे बस युद्ध को जारी रखना चाहते हैं।'

कुल मिलाकर, इतना तय है कि यूक्रेन पर रूसी हमला आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति को कई तरह से प्रभावित करेगा। खासकर भारत के लिहाज से देखा जाए तो इस युद्ध ने उसके भी विदेश और सुरक्षा नीति संबंधी विकल्पों और 21वीं सदी में युद्ध लड़ने के लिए सेना को तैयार करने के तरीकों से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं।

सूडोकु नवताल- 5351

दरमियाना

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5350 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

अपना ब्लॉग

नए फ्रेमवर्क की जरूरत

मोहन। इस युद्ध ने दुनिया के सामने कई तरह की नई चुनौतियां पेश की हैं और पारंपरिक सोच के कई अहम पहलुओं की ओर ध्यान खींचा है। युद्ध के दौरान यह स्पष्ट हो गया है कि इस विस्फोटक दौर की जरूरतों से निपटने के लिए नए संस्थान और नए फ्रेमवर्क खड़े करने होंगे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उभरी बहुपक्षीय व्यवस्था अब बुरी तरह से हांफ रही है और जैसे-जैसे ध्रुवीकरण तेज होगा, यह पुरानी व्यवस्था के अवशेष में बदलती जाएगी। नए बहुपक्षीय या कुछ देशों के संगठन की दिशा में बढ़ते कदम दरअसल मौजूदा दौर की इसी जरूरत को पूरा करने की कोशिशों का हिस्सा हैं। इस लिहाज से समान सोच वाले देशों का छोटा ग्रुप भी वैश्विक और क्षेत्रीय समस्याओं को हल करने में ज्यादा कारगर साबित हो सकता है। यूक्रेन पर रूसी हमले ने भविष्य में सेनाओं के युद्ध लड़ने के तरीकों को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। यूक्रेन युद्ध ने जंग में नई टेक्नॉलजी की भूमिका को साबित किया है। इसे लेकर जिस तरह से रूस और यूक्रेन के बीच साइबर संघर्ष चल रहा है, ऐसी उदाहरण भी पहले कम ही मिलते हैं।

द कपिल शर्मा शो नहीं छोड़ रहे हैं सिद्धार्थ सागर

कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा का लोकप्रिय रियलिटी शो श्द कपिल शर्मा शोश हमेशा अपने मनोरंजन कारक के कारण सुर्खियों में रहा है और इसके बड़े पैमाने पर फैंस भी हैं। हालांकि, इसके साथ ही शो ने कई अन्य पहलुओं के कारण भी सुर्खियां बटोरीं और उनमें से एक टीम के सदस्य हैं जो बीच में ही शो से बाहर हो गए। इन वर्षों में कृष्णा अभिषेक, भारती सिंह, अली असगर, सुनील ग्रोवर और चंदन प्रभाकर जैसे लोकप्रिय कॉमेडियन ने शो छोड़ दिया है। उनके बाहर निकलने के कारणों में मतभेद, भुगतान के मुद्दे और कॉमेडियन और शो की फीस के बीच संघर्ष शामिल थे। हाल ही में कई खबरें आ रही थीं कि एक और कॉमेडियन शो से बाहर हो जाएगा। सिद्धार्थ सागर, जो लंबे समय तक श्द कपिल शर्मा शोश से भी जुड़े थे, कथित तौर पर शो छोड़ने जा रहे थे। इन खबरों में यह भी दावा किया गया था कि सिद्धार्थ निर्माताओं से फीस में बढ़ोतरी चाहते थे और निर्माताओं ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया। इसलिए उन्होंने शो को बीच में ही छोड़ने का फैसला किया।

इस दिन रिलीज होगी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी

रॉकी और रानी की प्रेम कहानीश के जरिए निर्देशक के रूप में करण जौहर की वापसी का बेसब्री से इंतजार है। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की ये फिल्म की घोषणा होने के बाद से ही इसने लोकप्रियता हासिल की है। लेकिन फैंस को फिल्म के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि इसे अब 28 जुलाई तक के लिए टाल दिया गया है। फिल्म पहले 28 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। इस बीच राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की फिल्म भीड़ की भी रिलीज डेट में बदलाव हुआ है। यह खबर फिल्म के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शंस के आधिकारिक ट्विटर पेज ने शेयर की है। उन्होंने नई रिलीज डेट के साथ एक नया टाइटल पोस्टर शेयर किया और लिखा, श्रॉकी और रानी के परिवार हो रहे हैं तैयार और देखो ये प्यार की अनोखी कहानी! जादू, प्यार और जीवन से बड़ा मनोरंजन वापस लाना सिनेमाघरों में, 28 जुलाई 2023! राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर स्टारर श्भीड़श को अब नई रिलीज डेट मिल गई है। फिल्म को टालकर रणवीर और आलिया की फिल्म के निर्माताओं ने मणिरत्नम की बड़ी फिल्म पोन्नियिन सेलवनः पार्ट 2 के साथ फिल्म के टकराव को टाल दिया है।

शिल्पा राव ने बताया क्यों हिट हुआ गाना बेशरम रंग

बॉलीवुड फिल्में आमतया जरूरत से ज्यादा और बेसिर पैर की टाइमिंग्स पर गानों की भरमार को लेकर खूब आलोचनाएं झेलती हैं। बॉलीवुड फिल्मों में इसे एक बड़ी कमी के तौर पर भी देखा जाता रहा है। शाहरुख खान की पठान ने बॉलीवुड की इसी कमी पर काम किया और फिल्म में केवल दो गाने बेशरम रंग और झूमे जो पठानश लेकर आए। हालांकि, पहला गाना बेशरम रंग अपनी रिलीज के साथ ही तूफान लेकर आ गया। मेकर ने ऐसा कुछ सपने में भी नहीं सोचा होगा जो हकीकत में फिल्म रिलीज से ठीक पहले हो रहा था। फिल्म के इस गाने पर आम पब्लिक भयंकर नाराज थी क्योंकि काफी लोग दीपिका की ऑरेंज बिकीनी को भगवा बिकीनी 12 दिसम्बर 2022 को मेकर ने बेशरम रंग रिलीज किया था। कोई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस गाने पर रिएक्ट किया और रिजल्ट इम्प्रेसिव रहा। अपने नए इंटरव्यू में शिल्पा राव ने कहा कि बेशरम रंगश में दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान की केमिस्ट्री जबरदस्त है और इसलिए यह गाना काफी पॉप्युलर भी हो गया। शिल्पा ने कहा– इस गाने में दीपिका खुद को सेलिब्रेट कर रही हैं, जो अच्छा बुरा और फ्लॉलेस और इन्हीं वजहों ने उन्हें गाने में जोश भी आया।

लोपेज संग हनीमून पर बोटिंग करते हुए सो गए थे बेन एफ्लेक

बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज की गिनती हॉलीवुड के पावर कपल्स में होती है। इक्कीस साल पहले सगाई करने वाले इस कपल ने अगस्त 2022 में दूसरी शादी की थी। बेन एफ्लेक और जेनफिर लोपेज के प्यार की कहानी किसी रोलरकोस्टर राइड से कम नहीं है। कपल ने 2002 में सगाई की थी, लेकिन कुछ समय बाद ही बेन एफ्लेक और जेनफिर लोपेज अलग हो गए थे। दोनों ने फिर अलग–अलग पार्टनर से शादी की और फिर बच्चे भी हुए। पर आखिरकार बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज फिर से एक हो गए। इन दोनों की लव स्टोरी काफी फिल्मी है। आज हम आपको बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज की जिंदगी से जुड़ा एक ऐसा किस्सा बताने जा रहे हैं, जो खूब चर्चा में रहा था। यह हनीमून का किस्सा है। उस समय कुछ ऐसा हुआ था, जिसके कारण बेन एफ्लेक को बुरी तरह ट्रोल किया गया था।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हनीमून पर सोते नजर आए बेन एफ्लेक तो हुए थे ट्रोल

दरअसल बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज जब अपने हनीमून पर गए थे तो वहां उन्होंने क्रूज राइड की थी। उनके हनीमून की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गई थीं। लेकिन कुछ तस्वीरों में बेन एफ्लेक सोते हुए नजर आ रहे थे, जिसके कारण वह निशाने पर आ गए थे। हनीमून पर बेन एफ्लेक की सोते हुए और थकी–मांदी तस्वीरों को देख यूजर्स ने खूब मीम बनाए। तस्वीरों के पीछ की वजह जाने बिना यूजर्स ने एक्टर को ट्रोल करना शुरू कर

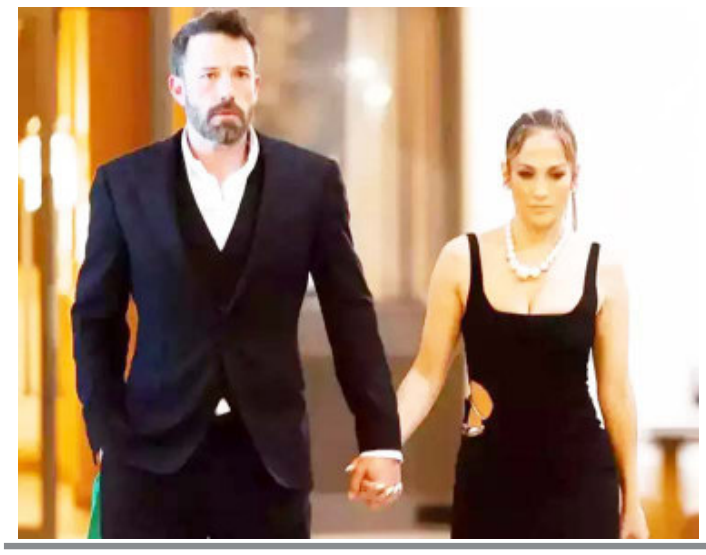

दिया था।

माइग्रेन का दर्द थी सोने की वजह

लेकिन बाद में पता चला कि बेन एफ्लेक को माइग्रेन का दर्द था, जिससे वह बुरी तरह परेशान थे और इसलिए वह थके हुए और नींद में थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, माइग्रेन की वजह से बेन एफ्लेक को कई बार बीच में शूटिंग भी रोकनी पड़ जाती थी। इसी वजह से वह अकसर ही थके और नींद में नजर आते थे। बेन एफ्लेक के हनीमून पर सोने की असल वजह सामने आने के बाद फैंस ने एक्टर के साथ हमदर्दी जताई थी।

बेन एफ्लेक और जेनिफर की लव स्टोरी

बेन एफ्लेक और जेनिफर लोपेज की पहली मुलाकात 2002 में फिल्म शगिगलीश की शूटिंग के दौरान हुई थी। उस समय जेनिफर पहले से ही शादीशुदा थीं। लेकिन जब एक इंटरव्यू में बेन एफ्लेक ने जेनिफर लोपेज के प्रति अपने प्यार का इजहार किया तो एक्ट्रेस ने पति क्रिस को तलाक दे दिया। बाद में वह और बेन एफ्लेक एक साथ हैंगआउट करते नजर आए।

55 साल के अक्षय ने छोटे मियां टाइगर श्रॉफ की बत्ती कर दी गुल

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सेल्फी को प्रमोट कर रहे हैं। वह जल्द ही इमरान हाशमी के साथ इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस बीच अक्षय कुमार ने छोटे मियां टाइगर श्रॉफ के साथ धमाकेदार डांस किया जिसे देख फैंस की भी आंखे खुली रह गई। देखिए अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ का डांस वीडियो।

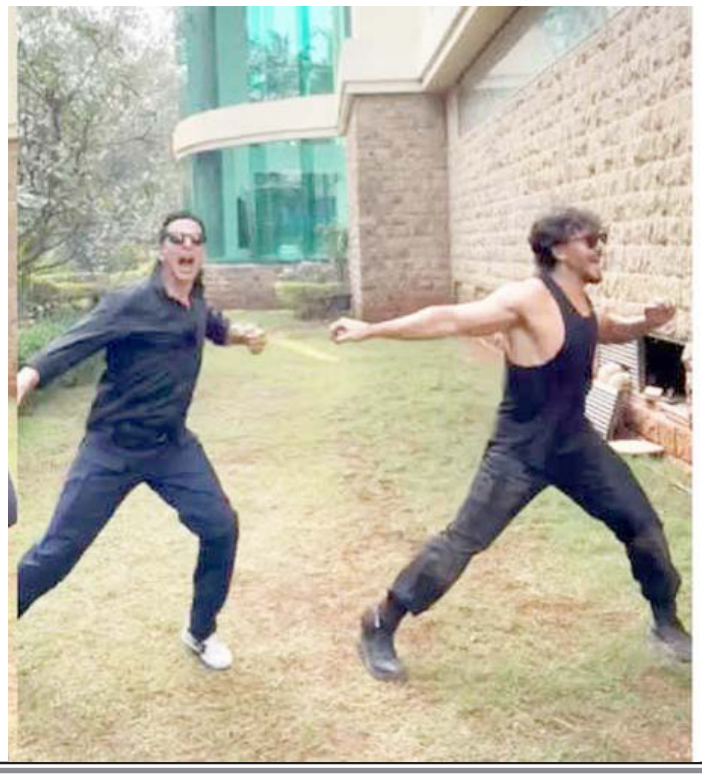

23 साल छोटे टाइगर पर भारी पड़े अक्षय

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ पहली बार श्बड़े मियां छोटे मियांश में नजर आने वाले हैं। फिल्म देखने के लिए तो फैंस को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। मगर दोनों का एनर्जेटिक वीडियो सामने आया है जिसमें अक्षय कुमार टाइगर श्रॉफ ने धमाकेदार डांस किया है। आइए दिखाते हैं ये डांस वीडियो जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म सेल्फी है। जिसमें अक्षय कुमार, डायना पेंटी, नुसरत भरूचा और इमरान हाशमी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म से हाल में ही पार्टी सॉन्ग मैं खिलाड़ी रिलीज हुआ था। इसी गाने पर अक्षय कुमार ने टाइगर के साथ डांस किया है।

मैं खिलाड़ी पर टाइगर और अक्षय कुमार का डांस

टाइगर और अक्षय ने इंस्टाग्राम रील्स पर मैचिंग ब्लैक सनग्लासेस और ब्लैक आउटफिट पहने हुए शानदार वीडियो साझा किया। दोनों की एनर्जी और डांस मूव्स ऐसे कि आप भी कायल हो जाए। इस वीडियो की सबसे खास बात ये है कि 55 साल के अक्षय कुमार ने 32 साल के टाइगर को ऐसी टक्कर दी है कि फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं। कोई कह नहीं सकता कि इन दोनों स्टार्स में 23 साल का उम्र का फासला है। खैर सभी जानते हैं कि अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे फिट एक्टर हैं।

कब रिलीज हो रही है सेल्फी

बात करें मैं खिलाड़ी गाने की तो ये गाना अक्षय कुमार की साल 1994 के आई फिल्म का रीमेक है। तब उनके साथ सैफ अली खान नजर आए थे। बता दें सेल्फी फिल्म राज मेहता द्वारा निर्देशित सेल्फी 24 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पपीते से सिकुड़ जाती है खाने की नली, जाने सेवन का सही तरीका

पपीता सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। फल के साथ इसकी पत्तियां और बीज भी कई तरह की बीमारियों से बचाव का काम करते हैं। पपीता को कच्चा या पक्का किसी भी तरह से खाया जा सकता है। इसमे विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन ई और विटामिन के समेत कैलोरी, प्रोटीन, वसा, कार्ब्स, प्रोटीन और फाइबर जैसे पोषक तत्व होते हैं।

पपीता खाने के क्या क्या फायदे हैं?
इसके पोषक तत्वों और औषधीय गुण के कारण एक्सपर्ट इसे पाचन संबंधी रोग, डायबिटीज, कैंसर, हार्ट डिजीज, प्लेटलेट्स बढ़ाने और इम्यूनिटी में सुधार करने के लिए खाने की सलाह देते हैं। लेकिन इसके साथ ही पपीता खाने से कुछ नुकसान भी हैं। ऐसे में यदि आप भी इन सबसे अनजान बिना सोचे समझे पपीता खा रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। यहां आप ज्यादा पपीता खाने के नुकसान के बारे में जान सकते हैं।

खाने की नली डैमेज करता है पपीता
कच्चे पपीते के लेटेक्स में पैपेन नामक यौगिक होता है, जो प्रोटीन, कार्ब और फैट को तोड़ने का काम करता है। लेकिन अधिक मात्रा में इसके सेवन से गले में भोजन नली के डैमेज होने का खतरा होता है।

ज्यादा पपीता खाने से होती है दस्त की समस्या
यदि आप ज्यादा मात्रा में पपीते का सेवन करते हैं, तो डायरिया होने का खतरा रहता है। ऐसा इसमें मौजूद उच्च फाइबर, रेचक के कारण होता है, खाने को तेजी से पचाने और मल को नरम बनाने का काम करता है। ऐसे में पपीता कब्ज से राहत लेकिन दस्त की संभावना को बढ़ाता है।

डायबिटीज की दवा के साथ न खाएं पपीता
एक रिपोर्ट के अनुसार, पपीता में एंटी डायबिटीज गुण होता है, जो खून में बढ़े ब्लड शुगर को कम करने का काम करता है। ऐसे में यदि आप डायबिटीज की दवा के साथ इसका सेवन करते हैं, तो लो ब्लड शुगर की समस्या होने का खतरा होता है।

पपीता खाने से होता है मिसकैरेज का खतरा
पपीता प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए सेहतमंद नहीं होता है। इसमें मौजूद पपेन और काइमोपैन गर्भाशय को संकुड़ता है, जिससे गर्भपात या वक्त से पहले डिलीवरी का खतरा रहता है। इसके अलावा यह यौगिक भ्रूण को सहारा देने वाली महत्वपूर्ण झिल्लियों को भी कमजोर कर सकते हैं।

१ दिन में कितना पपीता खाना चाहिए?
एक्सपर्ट 1 दिन में केवल 100 हउे से 120 हउे तक पपीता खाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा यदि आप पपीते के पत्तों का जूस पीते हैं, तो हर दिन केवल 5–6 चम्मच ही इसका सेवन करें। ध्यान रखें कि पपीता को हमेशा खाने से 2–4 घंटे पहले या बाद में खाना सेहतमंद ही होता है।

किडनी में पथरी है लेकिन मुझे दर्द या कोई अन्य समस्या नहीं हो रही

कई बार किडनी छोटी होती है जिसकी वजह से मरीज को कोई समस्या नहीं होती लेकिन डॉक्टर ने बताया ही कि अगर इसका समय पर इलाज नहीं कराया गया तो आगे चलकर यह बड़ी हो सकती है। किडनी में पथरी होना एक आम समस्या है, जिससे गंभीर दर्द होता है। किसी–किसी को पथरी होने पर कोई समस्या नहीं होती है। 2 mm या उससे बड़ी पथरी को क्लिनिकली सिग्निफिकेंट स्टोन जबकि इससे छोटी पथरी को क्लिनिकली इनसिग्निफिकेंट स्टोन कहा जाता है। अगर पथरी का साइज 2 उउ से ज्यादा बड़ा है, तो उससे आगे चलकर किडनी को डैमेज हो सकता है। इनका किसी ना किसी तरीके से ट्रीटमेंट करना बहुत जरूरी होता है। 6 mm से बड़ी पथरी को लार्ज स्टोन कहते हैं, जो ब्लैडर में अटक सकती है। अगर पथरी किडनी से जाकर ब्लैडर में अटक गई, तो किडनी को डैमेज कर सकती है, मवाद बना सकती है और किडनी को खराब भी कर सकती है। किडनी की पथरी का साइज 2mm हो या 6 उउ, इसका इलाज कराना बहुत जरूरी है वरना आगे चलकर किडनी डैमेज हो सकती है और किडनी खराब हो सकती है।

हद से ज्यादा खतरनाक है मिनी हार्ट अटैक, दूसरी बीमारी जैसे लगते हैं लक्षण

हार्ट अटैक के लक्षण इतने गंभीर होते हैं कि कोई भी पहचान लेता है और अस्पताल भाग जाता है। लेकिन मिनी हार्ट अटैक थोड़ा अलग है, जिसके लक्षणों को लोग पेट गैस या गलत खानपान की दिक्कत समझ लेते हैं। मगर यह गलती हद से ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है और जान का जोखिम भी हो सकता है। मिनी हार्ट अटैक को मेडिकल भाषा में नॉन–एसटी एलिवेशन मायोकार्डियल इंफार्क्शन कहा जाता है। यह तब होता है, जब दिल को खून पहुंचाने वाली धमनी आधी ब्लॉक हो जाती है। इसका मतलब है कि अगर आप ने सही कदम नहीं उठाया तो नस पूरी तरह ब्लॉक हो सकती है और बड़ा हृदयघात आ सकता है। एनसीबीआई पर छपी रिसर्च के मुताबिक, मिनी हार्ट अटैक के कारण हो रहा दर्द आमतौर पर 10 मिनट से ज्यादा रहता है। यह दर्द बढ़कर हाथ, गर्दन और जबड़े में जा सकता है और साथ में जी मिचलाना, थकान, पसीना आ सकता है। लेकिन यह लक्षण काफी हल्के होते हैं, जिसे लोग आम समस्या समझ लेते हैं।

पूरे 34 तरह के कैंसर की जड़ हैं रोजाना खाई जाने वाली ये चीजें

अगर आप पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेज फूड खाने के शौकीन हैं, तो आपको कैंसर होने और कैंसर से मरने का ज्यादा खतरा है। इस बात का का ब्रिटेन में 197,000 से अधिक लोगों पर हुए एक अध्ययन में पता चला है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य फूड या जंक फूड खाने से कैंसर के विकास और मरने का खतरा बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इनमें सबसे ज्यादा युवा और महिलाओं के साथ ऐसे लोग थे जिनका कैंसर का कोई पारिवारिक इतिहास नहीं था। अध्ययन के अनुसार महिलाओं में ओवेरियन कैंसर ज्यादा पाया गया। हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस या वर्ल्ड कैंसर मनाया जाता है। यह दिन दुनियाभर में कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। कैंसर एक एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है लेकिन एक्सपर्ट्स मानते हैं कि सही समय पर लक्षणों की पहचान और इलाज से पीड़ित की जान बच सकती है। इस नए अध्ययन में बताया गया है कि आपके द्वारा खाए जाने वाले कुछ खाद्य पदार्थ आपको कैंसर के मुंह में धकेल रहे हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, प्रोसेस्ड फूड खाने से किसी भी कैंसर का जोखिम 2 प्रतिशत और ओवेरियन कैंसर का जोखिम 19 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इतना ही नहीं, इन चीजों से कैंसर से मौत का जोखिम 6 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाते हैं राजमा–चावल ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डायबिटीज में खाने का पूरा ध्यान रखना पड़ता है। क्योंकि, एक गलत फूड ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है और मरीज की हालत खराब कर देता है। लेकिन क्या सभी के मनपसंद राजमा–चावल खाना सेफ है? इसके बारे में ऋतिक रोशन के फिटनेस ट्रेनर क्रिस गेथिन ने बताया है। आपका ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होना चाहिए। हालांकि, खाने से पहले और बाद की नॉर्मल रेंज अलग होती है। सीडीसी कहता है कि खाने से पहले 99 mg/dL या उससे कम लेवल होना नॉर्मल है और खाने के 2 घंटे बाद 140 mg/dL सामान्य होता है।

राजमा–चावल से तेजी से बढ़ता है शुगर?
ऋतिक रोशन के फिटनेस ट्रेनर क्रिस गेथिन एक सीरीज चलाते हैं, जिसमें वे लोकप्रिय फूड व डिश को खाकर ये दिखाते हैं कि आखिर उससे ब्लड ग्लूकोज का लेवल कितना बढ़ता है। इस बार उन्होंने उत्तर भारत के मनपसंद राजमा मसाला और चावल को टेस्ट किया है।

कितनी देर में दिखता है असर?
राजमा चावल खाने के बाद ब्लड शुगर पर क्या असर पड़ता है, यह देखने के लिए फिटनेस ट्रेनर ने 3 घंटे का इंतजार किया। उन्होंने वीडियो में दिखाया कि दिन के करीब 2.30 बजे उन्होंने राजमा चावल खाए थे, जिसका रिजल्ट देखने के लिए उन्होंने शाम के 5.30 बजे तक इंतजार किया। जिसके बीच में उन्हें जरूरी परिणाम मिल गया।

खून में कितनी तेजी से बढ़ता है शुगर?
राजमा चावल खाने से पहले ग्लूकोज मॉनिटर पर ट्रेनर का ब्लड शुगर 106 mg/dL के आसपास दिखा रहा है। लेकिन सेवन के थोड़ी देर बाद ही उनका शुगर तेजी से बढ़कर 144 mg/dL के करीब चला गया। फिर वह थोड़ा नीचे आकर दोबारा से 135 mg/dL तक पहुंच जाता है।

डायबिटीज में खा सकते हैं या नहीं?
गेथिन बताते हैं कि इन आंकड़ों को देखकर तुरंत कोई राय ना बनाएं। क्योंकि, उन्होंने इस डिश की बहुत ज्यादा मात्रा का सेवन किया था। टेस्ट के कारण उन्होंने थोड़ी देर बाद दोबारा बचे हुए राजमा चावल खाए थे। इसी वजह से ब्लड ग्लूकोज दोबारा बढ़ा था। इसलिए एक्सपर्ट से सलाह लेकर इसे संतुलित मात्रा में खा सकते हैं।

हाई प्रोटीन फूड है राजमा
राजमा एक हाई प्रोटीन फूड है, जो मसल्स को रिकवरी में मदद करता है। यह वेजिटेरियन फूड कई सारे विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर देता है, जो शरीर के लिए जरूरी होते हैं।

9 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरज का आगाज

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें विराट कोहली और केएल राहुल को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। जहां से उन्होंने नागपुर के लिए उड़ान भरी। बता दें कि विश्व टेस्ट चौंपियनशिप में जगह बनाने के लिए ये सीरीज काफी अहम है। भारत ने साल 2020–21 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 2–1 से मात दी थी, ऐसे में इस बार भी रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इस ट्रॉफी को जीतना चाहेंगी।

खास अंदाज में नागपुर के लिए रवाना हुई टीम इंडिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 9 फरवरी से नागपुर में होने जा रहा है, जिसके लिए टीम इंडिया नागपुर पहुंच चुकी है। बता दें कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें स्टार खिलाड़ी विराट कोहली और केएल राहुल नागपुर के लिए रवाना होते हुए नजर आए। बता दें कि विराट कोहली को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद आराम दिया गया था। वहीं, केएल राहुल अपनी शादी के चलते कुछ समय के लिए छुट्टियों पर थे। ऐसे में दोनों खिलाड़ियों ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, भारत के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम पहले ही भारत पहुंच चुकी है। बता दें कि कंगारू टीम ने अपना पांच दिवसीय कैंप बेंगलुरु में लगाया है, जो कि 6 फरवरी को खत्म होगा। इसके बाद मेहमान टीम नागुपर के लिए रवाना होगी। दूसरी ओर, भारतीय टीम ने 2 फरवरी को नागपुर के लिए उड़ान भरी है।

न्यूज डायरी

भारत के स्टार क्रिकेटर दीपक चाहर की वाइफ से ठगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज दीपक चाहर की वाइफ जया के साथ 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके साथ यह धोखाधड़ी हैदराबाद क्रिकेट असोसिएशन के पूर्व अधिकारी ने की है। दीपक चाहर के पिता ने पूर्व अधिकारी पर मामला भी दर्ज कराया है। ये पैसे एक डील के लिए दिए गए थे, लेकिन जब पैसे वापस मांगे गए तो क्रिकेट संघ के पूर्व अधिकारी ने गाली गलौच की और जान से मारने की धमकी भी दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपक चाहर के पिता लोकेंद्र चाहर ने उत्तर प्रदेश में आगरा के हरीपर्वत थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। यह मामला हैदराबाद के पारिख स्पोर्ट्स दर्ज कराया गया है। एक डील के लिए पारिख स्पोर्ट्स ने जया से 10 लाख रुपये लिए थे, जिसे उसने वापस नहीं किए। इस फर्म के मालिक ध्रुव पारिख और कमलेश पारिख के नाम FIR में हैं। दीपक चाहर का परिवार आगरा के शाहगंज की मान सरोबर कालोनी में रहता है। हैदराबाद क्रिकेट असोसिएशन में अधिकारी रहे ध्रुव पारिख और कमलेश पारिख ने दीपक चाहर की वाइफ जया के साथ एक डील की थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैं, टेस्ट सीरीज से पहले चेतेश्वर पुजारा ने भरी हुंकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत 9 फरवरी से नागपुर में होने जा रही है। इस सीरीज में टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को बीसीसीआई ने शुरुआती दो टेस्ट मैच की स्क्वॉड में शामिल किया है। बता दें कि चेतेश्वर पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए तैयारियां भी शुरू कर दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ दिन पहले तस्वीरें शेयर कर अपनी प्रैक्टिस की जानकारी दी। इसके साथ ही बता दें कि पुजारा के पास इस सीरीज में पूर्व खिलाड़ी और भारतीय कोच राहुल द्रविड़ का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहेरा मौका है। दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नेट प्रैक्टिस की तस्वीरें शेयर कर कंगारू टीम को चेतावनी दे दी है। बता दें कि इस सीरीज में पुजारा के पास एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका है। वह राहुल द्रविड़ को एक खास मामले में पीछे छोड़ सकते हैं।

टेस्ट सीरीज में भारतीय प्लेयर्स पर रहेंगी सभी की निगाहें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 9 फरवरी से नागपुर में होने जा रहा है। बता दें कि इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की कमान रोहित शर्मा के हाथों में है, तो वहीं उपकप्तान की जिम्मेदारी केएल राहुल को दी गई है। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए काफी अहम मानी जा रही है। लिस्ट में पहले नंबर पर है टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली का नाम है। बता दें कि 3 साल बाद किंग कोहली ने जबरदस्त वापसी कर टी–20 और वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया। लिस्ट में नंबर 2 पर है टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का नाम, जिन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सभी की निगाहें रहने वाली है। लिस्ट में तीसरे नंबर पर है कुलदीप यादव का नाम, जिन्होंने टेस्ट में केवल 8 मैच खेलते हुए 33 विकेट चटकाए है।

पहले टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन रच सकते है इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए शुरुआती दो टेस्ट की स्क्वॉड में शामिल है। बता दें कि अश्विन के पास 9 फरवरी को खेले जाने वाले पहले टेस्ट में इतिहास रचने का सुनहेरा मौका है। दरअसल, अश्विन अपने टेस्ट करियर के एक अद्भुत रिकॉर्ड को हासिल करने के बस एक कदम दूर हैं। दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला नागपुर में खेला जाना है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले भारत के विश्व विजेता क्रिकेटर का संन्यास

क्रिकेट

अब सिर्फ पुलिस की वर्दी में दिखेगी दबंगई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम को 2007 ज्20 वर्ल्ड कप के खिताबी मुकाबले में जीत दिलाकर इतिहास रचने वाले मीडियम पेसर जोगिंदर शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान किया है। साउथ अफ्रीका की मेजबानी में पहली बार आयोजित टूर्नामेंट में इस गेंदबाज ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में आखिरी ओवर किया था और उस समय मैच जितवाते दिख रहे मिसबाह उल हक को आउट करते हुए भारत को विश्व विजेता बना दिया था।

एमएस धोनी की कप्तानी में पहली बार खेले गए टी–20 वर्ल्ड कप में सचिन तेंदुलकर जैसे धाकड़ खिलाड़ी नहीं थे। इसके बावजूद न केवल भारत विश्व विजेता बना था, बल्कि कुछ ऐसे खिलाड़ियों के नाम पहली बार दुनिया के सामने आए थे, जिन्हें लोग नहीं जानते थे। मोजूदा कप्तान

रोहित शर्मा और जोगिंदर शर्मा उस लिस्ट में सबसे खास थे। रोहित शर्मा जहां आगे चलकर भारत के कप्तान बने तो जोगिंदर शर्मा ने जिगर दिखाते हुए जिस तरह से आखिरी ओवर किया था उससे उनका नाम इतिहास में दर्ज हो गया।

उन्होंने ट्वीट किया– मैं इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले रहा हूं। मेरा करियर 2002 में शुरू हुआ था और 2017 तक मैंने हर पल को शानदार अंदाज में जिया। मैं बीसीसीआई, हरियाणा, चेन्नई सुपर किंग्स और हरियाणा सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। टीम में साथी क्रिकेटरों, सपोर्ट स्टाफ और फैंस के बिना यह सफर अधूरा है। सभी के अनकंडिशनल प्यार के लिए शुक्रिया कहता हूं।

बता दें कि जोगिंदर हरियाणा पुलिस में DSP हैं। टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 5 विकेट पर 157 रन बनाए थे। इसमें गौतम गंभीर के 54 गेंदों में 75 रन थे, जबकि युवा रोहित शर्मा ने 16 गेंदों में तूफानी अंदाज में नाबाद 30 रनों की पारी खेली थी। जवाब में पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही थी और 26 रन पर 2 विकेट गिर गए थे, लेकिन पहले यूनिस खान (24) ने और बाद में मिसबाह उल हक (43) ने पाकिस्तान को जीत के करीब ले गए। आखिरी ओवर में मैदान पर मिसबाह गजब की बैटिंग कर रहे थे। धोनी ने वर्ल्ड क्रिकेट के लिए अंजान जोगिंदर शर्मा को गेंद पकड़ाई। शर्मा ने ओवर की तीसरी गेंद पर मिसबाह को श्रीसंत के हाथों कैच आउट कराते हुए भारत को विश्व विजेता बना दिया।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में दिनेश कार्तिक की एंट्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गावस्कर बॉर्डर ट्रॉफी का आगाज नागपुर में 9 फरवरी से होगा। 4 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में इसके साथ ही दिनेश कार्तिक भी अपना टेस्ट टेब्यू करेंगे। अरे नहीं, नहीं... अगर आप सोच रहे हैं कि उन्हें टीम इंडिया में शामिल किया गया है तो यह सच नहीं है। दरअसल, धाकड़ विकेटकीपर मोर्चा जरूर संभालेगा, लेकिन मैदान पर नहीं, बल्कि यह पिच कॉमेंट्री बॉक्स की होगी।

दिनेश कार्तिक इससे पहले वनडे, टेस्ट और टी–20 में कॉमेंट्री कर चुके हैं, लेकिन पहली बार वह भारत में टेस्ट कॉमेंट्री करेंगे। इससे पहले उन्होंने ट्वीट करते हुए अपना उत्साह जाहिर किया

है। उन्होंने ट्वीट किया– ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। एक बार फिर यह होने वाला है। बता दें कि उन्होंने नवंबर 2004 में वानखेड़े टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू किया था।

उनके ट्वीट पर आकाश चोपड़ा सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने रिएक्ट किया है। फैंस ने भी उन्हें बधाई दी है। डीके ने अपनी पहली पारी में 10 रनों की पारी खेली थी। दूसरी पारी में भी उनका बल्ला कमाल नहीं कर सका था। वह 4 रन ही बना पाए थे। करियर की बात करें तो डीके ने 26 टेस्ट में 25 की औसत से 1025 रन बनाए, जबकि एक शतक और 7 अर्धशतक शामिल है। इस दौरान एमएस धोनी की टीम इंडिया में एंट्री हुई तो दिनेश कार्तिक और उन्हीं के समय के पार्थिव पटेल का क्रिकेट करियर थम सा गया। कार्तिक ने आखिरी टी–20 इंटरनेशनल एडिलेड ओवल में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। उसके बाद से वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, जबकि आईपीएल के दम पर उन्होंने वापसी की थी। आखिरी वनडे 2019 में खेला था और फिलहाल उनकी टीम इंडिया में एंट्री होती नहीं दिख रही है तो वह कॉमेंट्री में एक बार फिर हाथ आजमाते नजर आएंगे।

अश्विन से निपटने के लिए कंगारुओं की कर रहा मदद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेंगलुरु। भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी की कवायद में स्पिनरों की मददगार पिच पर बल्लेबाजी अभ्यास के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम 21 वर्ष के स्पिनर महीश पिथिया की सेवाएं ले रही है जिनका एक्शन रविचंद्रन अश्विन से मिलता है। ऑफ स्पिनर अश्विन को लेकर ऑस्ट्रेलियाई खेमा काफी चिंतित है। ऑस्ट्रेलिया ने 2004 के बाद से भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीती है। चार टेस्ट मैचों की सीरीज नौ फरवरी से नागपुर में शुरू होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 'ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टेस्ट दौरे के पहले अभ्यास सत्र में डुप्लीकेट रविचंद्रन अश्विन की गेंदों का सामना किया है।' इसमें कहा गया, 'स्पिन का सामना करने पर फोकस रहा और स्थानीय नेट गेंदबाजों में पिथिया अलग थे। उन्होंने कोई ब्रेक लिए बिना लगातार गेंदबाजी की और स्मिथ, मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे बल्लेबाजों को परेशान किया।' उन्होंने पहली बार 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अश्विन की गेंदबाजी देखी और तभी से उन्हें आदर्श मानते हैं।

पेज थ्री देहरादून

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट करते हुए उत्तराखण्ड की झांकी के कलाकार।

हमारा दून

देहरादून, शनिवार, 4 फरवरी 2023 पेज 8

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने श्रीमती सुशीला बलूनी की कुशलक्षेम जानी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी तथा उत्तराखंड महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बलूनी की कुशलक्षेम जानने के लिए हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट पहुंचे। मुख्यमंत्री धामी ने अस्पताल पहुंचकर श्रीमती सुशीला बलूनी से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने श्रीमती सुशीला बलूनी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सीएम ने मोहन सिंह गांववासी से मुलाकात की

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार को वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री मोहन सिंह गांववासी की कुशलक्षेम जानने के लिए हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट पहुंचे। मुख्यमंत्री धामी ने अस्पताल पहुंचकर मोहन सिंह गांववासी से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मोहन सिंह गांववासी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

ले. कर्नल चंद दून के नए सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी

संवाददाता देहरादून। लेफ्टिनेंट कर्नल जीएस चंद (सेनि) देहरादून के नए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी होंगे। इससे पहले वो टिहरी में इसी पद पर तैनात थे। उनके साथ ही दो और अधिकारियों का तबादला किया गया है। अपर सचिव–सैनिक कल्याण चंद्र सिंह धर्मशक्तू ने इसके आदेश किए। आदेश के अनुसार देहरादून के सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल सीबीएस बिष्ट (सेनि) का तबादला इसी पद पर अल्मोड़ा किया गया है। जबकि अल्मोड़ा के सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल योगेंद्र कुमार (सेनि) को टिहरी भेजा गया है। तीनों अधिकारियों को अपने रिलीवर का इंतजार किए बिना ही नई तैनाती पर ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए हैं।

भर्ती घपले में बिना किसी भेदभाव के कारवाईः चौहान

संवाददाता देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने कहा कि भर्ती घपलों में सरकार बिना किसी भेदभाव के कारवाई कर रही है। सरकार परीक्षाओं में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कृत संकल्पित है। शुक्रवार को चौहान ने कहा कि उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं भविष्य में पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से हो सके। इसके लिए सरकार नकल माफिया और इसमें मिलीभगत करने वालों को चिन्हित कर लगातार कारवाई करती आ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में भ्रष्टाचार रूपी वृक्ष जो खड़ा हो चुका था, उसको खत्म करने के लिए यह बीड़ा उठाया गया है।

युवा स्वयं में लीडरशिप का विकास करेंः मुख्यमंत्री

सम्मान

■ मुख्यमंत्री ने किया गणतन्त्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स व आरडीसी दल को सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में इस वर्ष गणतन्त्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एनसीसी कैडेट्स व आरडीसी दल को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री धामी ने कैडेट् अंजलि नेगी, कैडेट् प्रिया पाण्डेय, कैडेट् आरती सिंह (घुड़सवारी में कांस्य पदक), कैडेट् यश पाण्डेय (बैण्ड मास्टर), कैडेट् मनोज सिंह बिष्ट (घुड़सवारी में कांस्य पदक), शिविर के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये फलाईग कैडेट् अविनाश, कैडेट मंयक काला, कैडेट् गिरीश जोशी, कैडेट् तन्वी, कैडेट् अदिति कौशिक और कैडेट प्रियंका पनेरू को सम्मानित किया।

एनसीसी कैडेट्स को गणतंत्र दिवस पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हमारे एनसीसी कैडेट्स के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ ही इस वर्ष गणतंत्र दिवस

के अवसर पर कर्तव्य पथ पर उत्तराखण्ड की झांकी मानसखण्ड को प्रथम स्थान मिलना प्रत्येक उत्तराखण्डवासी के लिये गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एनसीसी जैसे गौरवशाली संगठन से जुड़ना प्रत्येक युवा के लिए गर्व का विषय है। एनसीसी संगठन से ज्यादा एक मिशन है, जिसका उद्देश्य देश की युवाशक्ति में अनुशासन, दृढ़ निश्चय और राष्ट्र के प्रति निष्ठा की भावना को मजबूत करना है। देश के किसी भी हिस्से में जब भी कभी कोई संकट या आपदा आई, एनसीसी के कैडेट्स ने हमेशा पूर्ण समर्पण भाव के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी दोनों ही दक्ष एनसीसी कैडेट्स रहे हैं। एनसीसी वो नर्सरी है, जहां भविष्य के वीर सैनिक तैयार होते हैं, इसलिए वर्तमान में एनसीसी के विस्तार और आधुनिकीकरण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देशन में केंद्र सरकार की ओर से विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री की योजना है कि आने वाले समय में 1 लाख नए कैडेट्स तैयार किए जाएं, जिनमें से करीब एक तिहाई महिलाएं होंगी। सरकार की योजना सीमावर्ती इलाकों में एनसीसी के कार्यक्षेत्र को और अधिक बढ़ाने की भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि विद्यार्थी जीवन के दौरान वह भी एनसीसी का कैडेट रहे हैं। एनसीसी के माध्यम से जिस अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठता और राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव को उन्होंने अंगीकार किया वह आज प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में कार्य करते हुए उनके सबसे अधिक काम आ रहा है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में हमारे देश की पहचान एक युवा देश के रूप में होती है, देश ही नहीं बल्कि हमारा प्रदेश भी एक युवा प्रदेश है। देश में आज युवा सोच है और देश का युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। जिस देश के युवाओं में अनुशासन हो, दृढ़ इच्छाशक्ति हो, निष्ठा हो और लगन हो, उस देश का तेज गति से विकास कोई नहीं रोक सकता। युवाओं को स्वयं में लीडरशिप का विकास करना होगा। युवा जिस भी क्षेत्र में जाए, वहां नेतृत्व करें।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ा

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत को विश्व के जी–20, की अध्यक्षता मिलना अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर देश के सामर्थ्य का परिचय देता है। कोरोना काल में जहां दुनिया की अर्थव्यवस्था अव्यवस्थित रही वही भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की रूप में उभरी। प्रधानमंत्री के आह्वाहन पर पूरे विश्व में योग को मान्यता मिली। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

नौ लाख लोगों को मिला टेलीमेडिसिन सेवा का लाभ

वरदान

■टेलीमेडिसिन सेवा से जोड़े गए हैं एम्स और राज्य के मेडिकल कॉलेज

टेलीमेडिसन योजना आम लोगों के लिए वरदानः धन सिंह

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि योजना के तहत प्रदेश के दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को ई–संजीवनी के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा निःशुल्क परामर्श और उपचार दिया जा रहा है। टेलीमेडिसिन की सुगमता को देखते हुये अब एम्स ऋषिकेश समेत प्रदेश के चार सरकारी मेडिकल कॉलेजों दून, श्रीनगर, हल्द्वानी, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज को भी जोड़ दिया गया है। ताकि आम लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाओं का भी लाभ मिल सके।

संवाददाता

देहरादून। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने उत्तराखंड की टेली मेडिसन सेवा को आम लोगों के लिए वरदान बताया। अभी तक नौ लाख से अधिक लोग इसका लाभ उठा चुके हैं। इस योजना में अब एम्स ऋषिकेश समेत प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेजों को भी जोड़ दिया गया है। इससे अब आम लोग मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा का लाभ भी उठा रहे हैं। उत्तराखंड प्रति लाख टेली कंसलटेशन देने के मामले में देश भर में दूसरे स्थान पर है।

इन विशेषज्ञ डॉक्टरों में नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ, जनरल मेडिसिन, नेत्र रोग, न्यूरोलॉजी, बाल रोग, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, मानसिक रोग, हृदय रोग, त्वचा रोग विशेषज्ञ शामिल है। वर्ष 2020 से अब तक कुल नौ लाख से अधिक लोगों को टेली कन्सलटेशन दिया जा चुका है। वर्ष 2022 में रिकॉर्ड चार लाख से अधिक लोगों को टेली मेडिसिन सेवाएं दी गई। राज्य में टेली कंसल्टेशन का औसत परामर्श समय दो मिनट है। औसत प्रतिक्षा समय आठ मिनट

है। जो देश के अन्य राज्यों के मुकाबले बेहतर है। सोमवार से शनिवार तक सुबह नौ बजे से शाम बजे तक प्रदेश का कोई भी व्यक्ति ई–संजीवनी एप, वेलनेस सेन्टरों एवं टोल फ्री नम्बर 104 के माध्यम से इस सेवा का लाभ ले सकता है।

सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने में सहयोग करने वालों को किया सम्मानित

संवाददाता देहरादून। नगर निगम में शुक्रवार को स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। मेयर सुनील उनियाल गामा ने कहा कि जो लोग जैविक कूड़े से खाद तैयार कर रहे हैं वह सभी नगर निगम को वेस्ट मैनेजमेंट में बहुत बड़ा सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई स्कूल, सोसायटियां, स्वयंसेवी संस्थाएं सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने की दिशा में प्रयासरत हैं। उन सभी को निगम प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंक प्राप्त करने के लिए शहरवासियों का सहयोग बहुत जरूरी है। इस दौरान सहायक नगर आयुक्त एसपी जोशी आदि मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।